

व्यतिकरण पुं. (तत्.) 1. एक दूसरे को मिलाना, बाधा डालना, काटना 2. दो रेखाओं आदि का एक दूसरे को काटना 3. क्रिया और प्रतिक्रिया के रूप में होना या करना 4. संपादन करना।

व्यतिक्रम पुं. (तत्.) 1. रुकावट, अड़चन, बाधा, विघ्न 2. क्रम बदल जाना, उलट-पलट होना, क्रम विपर्यय 3. अतिक्रमण, उल्लंघन 4. विपत्ति, मुसीबत 5. लापरवाही, अवहेलना 6. विपरीतता 7. समय बीतना 8. देय धनराशि चुकाने में की गई भूल 9. काव्य. एक लेखकीय दोष जिसमें किसी विषय का वर्णन पूरा होने से पहले ही किसी अन्य, विषय का वर्णन शुरू हो जाए। विषय से भटक जाना, विषयांतर।

व्यतिक्रमी वि. (तत्.) 1. व्यतिक्रम करने वाला 2. भुगतान में भूल-चूक करने वाला 3. अतिक्रमण, उल्लंघन करने वाला 4. लापरवाही, अवहेलना करने वाला 5. अपने विषय से भटकाने वाला।

व्यतिक्रांत वि. (तत्.) 1. बाधित 2. जिसका क्रम भंग हो गया हो, नियम-भंग 3. जिसका उल्लंघन, अवहेलना हुई हो 4. व्यतीत, बिताया हुआ (समय)।

व्यतिपात पुं. (तत्.) भारी उपद्रव, भारी उत्पात ज्यो. के 27 योगों में से एक योग जो क्रम से 17 वां है, इस योग में शुभ कार्य वर्जित माने गए हैं।

व्यतिरिक्त पुं. (तत्.) 1. बहुत अधिक, अत्यधिक 2. जो अलग-अलग हो गये हों, भिन्नता, अंतर, जिसमें अन्विति नहीं है 3. रहित, अभाव, मुक्त 4. वर्जित।

व्यतिरेक पुं. (तत्.) 1. अभाव, भेद, अंतर, विषमता, भिन्नता 2. अतिरेक, अधिकता, उत्कर्ष, श्रेष्ठता 3. पृथक्ता, अलगाव 4. वर्जन, निषेध 5. क्रम-भंग, क्रम विपर्यय काव्य. एक अर्थालंकार जो उपमेय को उपमान की अपेक्षा अधिक ऊंचा या श्रेष्ठ दिखता है। व्यतिरेक अलंकार के चार भेद हैं।

व्यतिरेकी वि. (तत्.) 1. व्यतिरेक से संबंधित 2. अंतर, अलगाव, भिन्नता प्रदर्शित करने वाला, भेदकारक 3. विपरीत, विलोम 4. अतिक्रमणकारी 5. अभाव या अनस्तित्व को दिखाने वाला।

व्यतिव्यस्त वि. (तत्.) अस्त-व्यस्त।

व्यतिषंग पुं. (तत्.) 1. पारस्परिक संबंध, अन्योन्य संबंध 2. अंतःमिश्रण 3. संयोग या मिलाप।

व्यतिहार पुं. (तत्.) 1. परस्पर स्थान परिवर्तन 2. विनिमय, अदला-बदली, आदान प्रदान 3. गाली-गलौज 4. मार-पीट।

व्यतीत वि. (तत्.) बीता समय, गत, विगत

व्यतीतना अ.क्रि. (तत्.) बीतना।

व्यत्यय पुं. (तत्.) 1. विपर्यय, व्यतिक्रम, उलट फेर 2. उल्लंघन 3. बाधा, रुकावट, अड़चन।

व्यथक वि. (तत्.) व्यथा, कष्ट देने वाला, पीड़ाकारक, व्यथित करने वाला।

व्यथन पुं. (तत्.) 1. व्यथा, पीड़ा, कष्ट 2. व्यथाकारक 3. क्षुब्ध करने वाला।

व्यथा स्त्री. (तत्.) 1. मानसिक या शारीरिक पीड़ा, वेदना, क्लेश 2. कष्ट 3. चिंता 4. रोग 5. व्याकुलता, विकलता।

व्यथित वि. (तत्.) 1. पीड़ित, व्यथाग्रस्त, क्षुब्ध, वेदनायुक्त 2. विकल, व्याकुल, संतप्त।

व्यधिकरण पुं. (तत्.) भिन्न आधार पर होना, जिसका आधार अलग हो, जो व्यवस्थित न हो व्या. दूसरे कारक से संबद्ध।

व्यनुकूलन पुं. (तत्.) परिवर्तित परिस्थितियों के अनुकूल बनाना, अनुकूलन, समंजन।

व्यनुकूलन क्षमता स्त्री. (तत्.) परिवर्तित परिस्थितियों के अनुकूल बनने या कार्य करने की क्षमता।

व्यपगत वि. (तत्.) 1. जो बीत गया हो, कालातीत, जिसकी अवधि समाप्त हो गई हो 2. जो दूर चला गया हो, हट गया हो 3. असावधानी